"प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान" को सफल बनाने के लिये "इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, फॉगसी, रेडियोलॉजिस्ट व पैथोलॉजिस्ट एसोसिएशन" के चिकित्सकों ने शासकीय अस्पतालों में जाकर की गर्भवती माताओं की जॉंच व उपचार

इस योजना में अब तक 1.50 लाख गर्भवती माताओं की जॉंच व उपचार, 25 हजार उच्च जोखिम गर्भवती माताओं की उच्च स्तरीय चिकित्सालय में किये गये उपचारित

प्रत्येक माह की 9 तारीख को एएनसी चेकअप करने वाले प्राईव्हेट डॉक्टरों की स्वास्थ्य संचालक

श्री प्रसन्ना ने सभी एसोसिएशन के सदस्यों की सरहना कर धन्यवाद व आभार किये व्यक्त

वर्ष 2003 में मातृ मृत्यु दर 379 से घटकर 221 प्रति एक लाख जीवित जन्म , एसआरएस 2011-13 की रिपोर्ट

वर्ष 2003 में शिशु मृत्यु दर 70 से घटकर 43 प्रति एक हजार जीवित जन्म, एसआरएस 2014 की रिपोर्ट

रायपुर। प्रदेश में आपात प्रसूति, आवश्यक प्रसूति सेवाओं को गुणवत्तापरक बनाने व इनकी ग्राह्यता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश की वर्तमान मातृ मृत्यु अनुपात व शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिये "प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान" का कियान्वयन किया जा रहा है। भारत सरकार की अभिनव योजना "प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान" में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, फॉगसी, रेडियोलॉजिस्ट तथा पैथोलॉजी एसोसिएशन का भरपूर सहयोग, स्वास्थ्य विभाग को मिल रहा है। निजी चिकित्सक द्वारा आज 9 तारीख को शासकीय चिकित्सालय में जाकर गर्भवती माताओं की जांच व उपचार किये। रायपुर जिले में 35 निजी चिकित्सक शासकीय अस्पतालों में अपनी सेवायें दिए है। इसी प्रकार दुर्ग में 12 चिकित्सक, राजनांदगांव में 6, कवर्धा में 4, सरगुजा में 6, रायगढ़ में 8, कोरबा में 8, धमतरी में 3, बिलासपुर में 18 चिकित्सकों ने अपनी सेवायें शासकीय अस्पताल में दी।

गौरतलब है कि स्वास्थ्य संचालक श्री आर0 प्रसन्ना ने गत माह विडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, फॉगसी, रेडियोलॉजिस्ट व पैथोलॉजी एसोसिएशन से अपील किये थे कि वे अपनी सेवायें मात्र एक दिन के लिये शासकीय अस्पताल में देवे। इसका परिणाम आज झलकने लगा है, पूरे जिले में इनके सदस्यों बी–मॉक, सी–मॉक/आपातकालीन स्थिति में प्रसूति देखभाल में प्रशिक्षित चिकित्सक, स्त्री रोग विशेषज्ञों ने अपनी सेवायें शासकीय अस्पताल में दिए। श्री प्रसन्ना ने सभी एसोसिएशन के सदस्यों की सरहना कर धन्यवाद व आभार व्यक्त किये है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान 9 मई 2016 को प्रदेश में प्रारंभ किया गया। जिसमें अब तक एक लाख 50 हजार से अधिक गर्भवती माताओं की जॉंच व उपचार किया जा चुका है। पच्चीस हजार उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं को उच्च स्तरीय संस्थान में रिफर कर उपचारित किया गया। गर्भवती माताओं को आईएफए दवा, फोलिक टेबलेट, कैल्सियम टेबलेट व विटामिन डी 3 की दवाईयां मुफ्त में प्रदान की गयी। गर्भवती माताओं की सेहत जांच के दौरान ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन, अल्टासाउंड, एचआईवी जांच, वीडीआरएल, मलेरिया जांच तथा सिफलिस की मुफ्त जांच किया गया। श्री आर0 प्रसन्ना ने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, आईएएम, फॉगसी व स्वास्थ्य एसोसिएशन से समन्वय बनाकर इसी प्रकार आगामी माह की 9 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान को सफल बनावे। श्री प्रसन्ना ने जिले के प्राईव्हेट डॉक्टरों से यह भी अपील कि है कि जिन जिलों में स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शासकीय अस्पताल में नहीं है वहां पर प्राईव्हेट हास्पीटल के डॉक्टर अपनी सेवायें माह में एक दिन अवश्य दे सकते है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी है। इस कमी को पूरा करने के लिये शासकीय अस्पतालों में केवल एक दिन प्राइव्हेट डॉक्टर एएनसी चेकअप, सोनोग्राफी कर अपनी सेवायें दे सकते है। शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों के शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में भी ज्यादा से ज्यादा फोकस कर वहां एएनसी की जांच किया जाना चाहिए। गंभीर कैसेस में 108 संजीवनी एक्सप्रेस, 102 महतारी एक्सप्रेस की सेवायें लिये जाने की अपील भी उन्होंने की है। उन्होंने निजी चिकित्सकों से यह भी अपील किए है कि निजी चिकित्सक वेब पोर्टल में अपना पंजीयन शीघ्र करा लेवे।